गुरप्रीत कौर

ई—मेल-gklotey83@gmail.com

दादी अम्मा की कॉपी

13 जनवरी

प्रिंसिपल बनने के बाद कॉलेज का यह पहला फंक्शन था, जिसे लेकर मैं बहुत उत्साहित थी। पूरा स्टाफ अपने परजनों सहित पहुँच चुका था। मेरी नजर मेन गेट पर टिकी थी. मेरा परिवार कब आएगा खासकर मेरी दादी तो जरूर आए। मम्मी-पापा तो पहुँच गए, लेकिन अम्मा नहीं आई। मैंने गुस्से से पापा से पूछा, "दादी अम्मा क्यों नहीं आई?"

"बेटा ! उनकी तबीयत ठीक नहीं, इसलिए वो नहीं आई, यह लो, तुम्हारी दादी अम्मा ने सरप्राइज भेजा है।" समारोह में व्यस्त होने के कारण मैंने कॉपी लेकर अपने पर्स में रख ली, लेकिन तबसे मेरे मन में वही चल रहा था दादी अम्मा को तो मेरा पढ़ना-लिखना कभी अच्छा नहीं लगा... पर आज अम्मा ने मुझे यह कॉपी भेजी है, आखिर क्यों?... क्या लिखा है इसमें? फक्शन खत्म होते ही में हॉस्टल के कमरे में आ गई और कॉपी पढ़ने लगी।

1 जनवरी

नया साल मुबारक हो, रमनी।

बेटी! देखो, आह थोड़ी बहुत पंजाबी लिखनी भी सीख ली मैंने। सबसे ज्यादा खुशी मुझे तुम्हारा नाम लिखते हुए होती है। हमारी रमनी ने हमारा नाम रौशन कर दिया। मुझे तो कॉपी पर भी तुम्हारा नाम अलग से ही जगमग करता हुआ लगता है।

जनवरी 5

मूंगफली रेवड़ी के पैकेट खरीदकर रखें है तेरे कॉलेज के कार्यक्रम के लिए। सच! पापकून... अंग्रेज़ी में यही कहते हैं न?

जनवरी 7

कभी-कभार अपने-आप पर गुस्सा आता है मेरा तुझे जिद्दी कहना पर तू जिद्दी नहीं थी. हिम्मतवाली थी। मुझे माफ़ करदे लाडों। साथ ही.. कभी-कभी बहुत अफ़सोस भी होता है कि हमने कभी जिद्द मनवाने की हिम्मत नहीं की.. खुद के लिए लड़ने की हिम्मत नहीं की... हमें तो किसी ने शिक्षा का मूल्य नहीं बताया तूने सिखा दिया।

11 जनवरी

रमनी। मेरा हो दिल करता है कि इसी वक्त उड़कर तेरे कॉलेज आ जाऊँ। तेरी लोहड़ी तो नहीं मनाई, पर तेरे संग बेटियों की लोहड़ी में गिद्धा डालूँ लेकिन आह, यह मुए घुटने मुझे उठने दें तब न।

12 जनवरी

आज तो मेरे पाँव धरती पर नहीं टिक रहे... जब से तेरे पापा ने बताया कि रमनी के कॉलेज के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण टी.वी. पर आएगा। क्या हुआ अगर मैं कॉलेज आकर कार्यक्रम नहीं देख पाऊंगी... लेकिन मैंने गाँव की सभी बूढ़ी औरतों को कल सुबह 10 बजे अपने घर बुला लिया है। बड़ा टी.वी. लगाकर देखेंगे रमनी के कॉलेज की बेटियों की लोहड़ी।

13 जनवरी

कॉपी पढ़कर एक पल के लिए तो यकीन ही नहीं हुआ कि ये सब दादी अम्मा ने मेरे लिए लिखा है.. या मैं कोई सपना देख रही हूँ... लेकिन अगले ही पल मेरी आँखों से गिरते आँसुओं ने इस भ्रम को दूर कर दिया। एक-एक अक्षर से मुझे दादी अम्मा की खुशबू आ रही थी, मानो अम्मा मेरे पास ही बैठी हो... और मैंने कॉपी को जोर से सोने के साथ लगा लिया।

हिन्दी अनुवाद : जगदीश राय कुलरियाँ

गुरप्रीत कौर : पंजाबी लघुकथा की नवोदित लेखिका है। इन्होंने कम समय में जिक्रयोग्य लघुकथाएं लिखी है। येह मिन्नी कहानी लेखक मंच की सक्रिय सदस्य है। इनकी रचनाएँ कई सम्पादित पुस्तकों में शामिल हो चुकी है।